एक समानता बाघ एवं हक्लाहत/स्तम्मेरगि सशक्तकिरण के बीच में

चलो मान लो कि एक क्रूर बाघ है, जो हमारी हक्लाहत को दर्शाता है. अब वो बाघ और आपकी हक्लाहत दोनो एक ही है. चलो हम बाघ को पजिरे मै बंद करने कि कोशसि करते है लेकनि बाघ बहुत शक्तशिाली है, पजिरे का दरवाजा उसके सामने बहुत कमजोर है और वह उसको कभी भी तोड के नकिल सकता है. जब वो पजिरे सै नकिलता है, वह आपके उप्पर झपट्टा मारता है, आपको चरिता है और आपकी हालत बगिाड देता है.

अगर आप इस क्रूर बाघ की तरफ अपनी पीठ कर देते है तो इससै कुछ भी हासलि नही होगा. वह लगातार आपको सताता रहेगा. आप खुद को झुटी तसली देते हो कि बाघ यहाँ नही है - ओह, बाघ यहाँ नही है. हक्लाहत को नकारना समाधान नही है. हक्लाहत पें परदा डालने सै भी कोई समाधान नही नकिलेगा.

आखरिकार आप बाघ का सामना करने के लयि तैयार होते है. यह एक भयावह प्रक्रयिा है, लेकनि फरि भी आप उसका सामना करते है. पहली बारी मै सायद आप उससै हार जाये, लेकनि आप उसे अपने उप्पर हावी न होने दे, उसे अपने (आपके) नर्णिय न लेने दे. धीरे धीरे, बाघ आपके उप्पर से अपनी शक्ति खोने लगेगा और आप अपने जीवन पर शांति एवं नयिंत्रण का अनुभव करने लगेगे. आप स्वैच्छकि हक्लाहत (voluntary stuttering) का अभ्यास करने लगेगे, जो कि बल पूर्वक हकलाने के बलिकुल उलट है. हक्लाहत के कारण आपको कसिी के साथ बात करने से डर लगता है, आपको महसूस होता हें के आप संवाद/कम्युनकिेशन करने मै वफिल हो. लेकनि जैसे जैसे यह हक्लाहत का बाघ कमजोर होता जायेगा
एक समय मै आप ऐसी अवस्था/चरण मै पहुंच जायेंगे की आप अपने और अपने आवाज/भाषण के अधकि से अधकि नयिंत्रण मै होंगे.

अब आपने बाघ को पट्टे मै जकड लयिा है, और आप शहर के चारों ओर चक्कर लगा रहे हो. आपका हक्लाहत का डर और सामाजकि दंड/कलंक अब बहुत कम हो गया है. अब आप लोगो के पास जाकर स्वेच्छा से हकला सकते है! अरे! क्या आप मेरा बाघ देखना चाहते हैं? और आप ऐसी अवस्था मै पहुंच गये हो की अब वास्तव में आपको इस बाघ पें गर्व है.
और अब आपने बाघ को खुले मै दखिाना शुरू कर दयिा है. आपने बाघ का पट्टा उतार दयिा है और उसे पालतू बना लयिा है.
जब आप एक जानवर का सामना करते हो. वह जानवर झुक सकता है. जब आप हक्लाहत का सामना करते हो, जसिका प्रबंधन (management) बहुत ही आसन है तो फरि आप इसे पीठ क्यू दखिते हो?

अनुवाद द्वारा Kishore Bisht. मैं 23 साल का युवक हूँ और हकलाता हु. मैं भारत से हूँ और वर्तमान में इटली में कार्यरत हु. भारत दुनयिा में दूसरा सबसे अधकि आबादी वाला देश है जहां एक अनुमान के अनुसार 22400000 (जनसंख्या के 2%) लोग हक्लाते है. मुझे यह काम देने के लिए, मैं वास्तव में Daniele Rossi का बहुत आभारी हू
kishore.bisht1987@gmail.com.

को श्रेय देते है आप इसके वतिरण एवं हसिेदारी के लयि मुक्त है Greg Snyder और Daniele Rossi द्वारा बनाया गया कॉपीराइट २०११ जब तक आप
Ti-Ger.org